RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-03
Issue-08
August-2018

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com [UGC Listed Journal]

महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिकाः रूद्रप्रयाग जनपद के सन्दर्भ में एक भौगोलिक अध्ययन

[1]कु0 बबीता, [2]इन्द्र सिंह कोहली, [3]डॉ0 एल0पी0 लखेडा

[1]शोध छात्रा, भूगोल विभाग, हे0न0ब0 गढवाल विश्वविद्यालय,श्रीनगर गढवाल।
[2]सहायक प्राध्यापक, भूगोल (गैस्ट फैकल्टी), राजकीय महाविद्यालय नागनाथ पोखरी, चमोली।
[3]असिस्टेंट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, हे0न0ब0 गढवाल विश्वविद्यालय, श्रीनगरगढवाल।

ARTICLE DETAILS

Article History
Published Online: 07 August 2018

Keywords
महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, रूद्रप्रयाग जनपद

ABSTRACT

समाज में प्राचीनकाल से ही महिलाओं की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण रही है। भूगोल में महिलाओं से सम्बन्धित तथ्यों का अध्ययन मानव भूगोल का एक महत्वपूर्ण भाग है। सामान्य रूप से देखा जाए तो किसी भी स्थान पर महिलाओं के बिना किसी भी परिवार या समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। महिलाओं का सदा से ही किसी भी देश या समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अतः वर्तमान समय में विकास के लिए महिलाओं का सशक्तहोना आवश्यक है। सशक्तिकरण का तात्पर्य किसी व्यक्ति की उस क्षमता से है जिससे उसमें यह योग्यताहो कि वह अपने जीवन से जुडे सभी निर्णयों को स्वय ले सके या किसी व्यक्ति मेंनिर्णयों को स्वय लेने की सक्षमता एवं स्वतंत्रता हो।इसी प्रकार महिला सशक्तिकरण से भी आशय है कि समाज में महिलाओं को इतनी सक्षमता हो कि वे अपने जीवन के सभी निर्णय स्वय ले सके। आज वर्तमान समय में महिलाए पुरूषों के सापेक्ष सशक्त होकर विभिन्न क्षेत्रों मे नयें आयामों का निर्माण कर रही है और महिलाओं के इस विकास के पीछे उनकी शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत में महिला शिक्षा के लिए स्कूलों का सुभारम्भ सर्वप्रथम अग्रेजों एवं इसाई मिशनरियों द्वारा 1810 में किया गया एवं नारी शिक्षा के सम्बन्ध में प्रथम पुस्तक 1819 में गुरूमोहन विद्यावलंकर द्वारा बांग्ला भाषा में लिखी गयी। प्रस्तुत शोध प्रपत्र के द्वारा यह प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है कि अध्ययन क्षेत्र (रूद्रप्रयाग जनपद) में महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका क्या है। रूदप्रयाग जनपद उत्तराखण्ड राज्य के मध्य एवं महान हिमालय के अन्तर्गत आता है जो कि 1984 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है। इस जनपद में 3 विकासखण्ड,27 न्यायपंचायतें एवं 688 गॉव है। प्रस्तुत अध्ययन में रूद्रप्रयाग जनपद में मुख्य रूप से 2001 एवं 2011 की जनगणना के अनुसार न्यायपंचायत के अधार पर जनपद के तीन विकासखण्डोंमें महिला शिक्षा की दर का अध्ययन किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र का प्रमुख उद्देश्यअध्ययन क्षेत्र रूद्रप्रयाग जनपद में महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका का अध्ययन करना है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध प्रपत्र"महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिकाः रूद्रप्रयाग जनपद के सन्दर्भ में एक भौगोलिक अध्ययन" मुख्य रूप से द्वितीयक समंको के आधार पर किया गया है।जनपद में3 विकासखण्ड एवं 27 न्यायपंचायते है। 2001 एवं 2011 के जनगणना के आकडों को 27 न्यायपंचायतो के आधार पर समायोजित कर जनपद में महिला साक्षरता दर का अध्ययन विभिन्न स्तरों पर किया गया है।

अध्ययन क्षेत्रः रूद्रप्रयाग जनपद

उत्तराखण्ड हिमालय क्षेत्र प्राचीन काल से ही धार्मिक, प्राकृतिक, भौगोलिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। वेदव्यास जी द्वारा रचित स्कन्ध पुराण में केदारखण्ड का उल्लेख मिलता है जो कि मुख्य रूप से गढवाल का क्षेत्र रहा है। इसी के अर्न्तगत जनपद रूद्रप्रयाग का सम्पूर्ण क्षेत्र भी आता है।जनपद रूद्रप्रयाग उत्तराखण्ड राज्य के सुदूर उत्तरी भाग में गढवाल मण्डल के मध्य हिमालय की गोद में स्थित है। उत्तराखण्ड राज्य के गढवाल मंडल में स्थित जनपद रूद्रप्रयाग 30º 17'00"उत्तरी अक्षांशसे 30º 49'00"उत्तरी अक्षांशतक एवं 78º 49'00" पूर्वी देशान्तर से 79º 22'00"पूर्वी देशान्तर के मध्य 1984 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है। वर्ष 1997 से पहले जिला रूद्रप्रयाग 3 जनपदों चमोली, टिहरी एवं पौडी जिलों का हिस्सा था। अतः जनपद का सृजन उत्तरप्रदेश सरकार के राजस्व अनुभाग 5 की शासकीय अधिसूचना संख्या 1867/1323/ 97रा0–5 दिनॉक 16 सितम्बर 1997 द्वारा जनपद चमोली की तहसील रूद्रप्रयाग तथा उखीमठ, जनपद टिहरी गढवाल की उपतहसील जखोली एवं जनपद पौडी गढवाल की तहसील श्रीनगर की बच्छणस्यू पट्टी क्षेत्र को सम्भावित करते हुए किया गया है। जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 2328,00 वर्ग किमी है। प्रशासनिक इकाइयों के आधार पर जनपद में कुल 3 तहसीलें, 3 ब्लॉक, 27 न्यायपंचायत व 688 गांव है जिसमें से 653 आबाद गांव, 35 गैर आबाद गांव है।

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

चित्र–1

Location map of study area

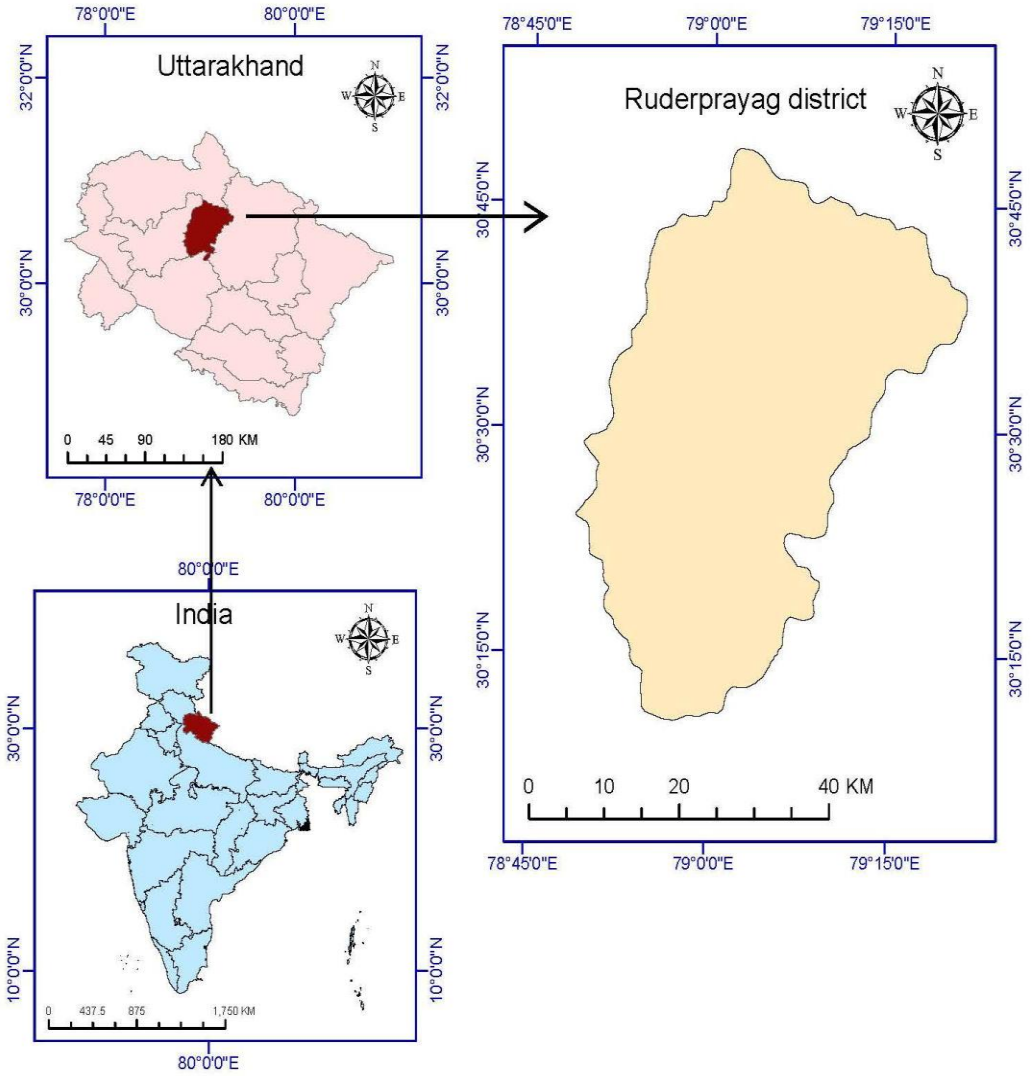

महिला शिक्षा का महत्व

भारत में प्राचीन काल से ही महिलाओं के लिए शिक्षा का व्यापक प्रचार था। किन्तु धीरे–धीरे परिवर्तन आने लगे और महिलाओं की शिक्षा से दूरी बढती गयी। और पुर्नजागरण के दौर में भारत में महिलाओं की शिक्षा को एक नए सिरे से महत्व मिलने लगा। तदोपरान्त ईष्ट–इन्डिया कम्पनी द्वारा सन् 1854 में स्त्री शिक्षा को स्वीकार किया गया। तथा कोलकत्ता विश्वविद्यालय महिलाओं की शिक्षा को स्वीकार करने वाला पहलाविश्वविद्यालय था।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के पुर्नगठन में सरकार ने फैसला किया कि राष्ट्र की उन्नति और लोकतन्त्र दृढ बनाने के लिए महिला शिक्षा आवश्यक है। इसी प्रकार सरकार के अनेक प्रयासों एवं महिलाओं कीदृढता के कारण स्वतन्त्रता के बाद देश की महिला साक्षरता में लगातार वृद्धि हुयी है जो की एक सफल प्रयास है।शिक्षा महिलाओं के विकास के लिए एक आधार के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।शिक्षा के माध्यम से हीमहिलाएँ अपने अधिकारों को सुरक्षित करने में सक्षम होती है पारिवारिक कठिनाइयों का सामना कर सकती है। घरों की किसी भी समस्या का समाधान कर सकती है यहाँ तक की पुरूषों से कन्धे से कन्धा मिला कर मदद कर सकती है। किसी भी राष्ट्र की हो या विश्व की हो आर्थिक प्रगति हो या सामाजिक प्रगति हो महिलाओं पर अत्यधिक निर्भर करती है। अतः वर्तमान समय में एक अच्छे समाज एवं एक अच्छे राष्ट्रके निर्माण के लिये महिलाओं का शिक्षित होना अनिवार्य है।

अतः शोध प्रपत्र के माध्यम से अध्ययन क्षेत्र (रूद्रप्रयाग जनपद) में महिला शिक्षा को जनगणना 2001 एवं 2011 के

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

आकडों के आधार पर प्रदर्शित किया गया है। तथा दशक में हुए परिवर्तन को विश्लेषित किया गया है।

रूद्रप्रयाग जनपद के तीन विकासखण्डों में न्याय पंयाचयतों में अनुसार महिला साक्षरता दर (2001 एवं 2011)

साक्षरता दर को यदि विस्तृत रूप से देखा जाए तो 2001 की जनगणना के अनुसार भारत में महिला साक्षरता दर 53.67% थी जो कि 2011 में बढकर 65.46% हो गयी । उत्तराखण्ड राज्य में महिला साक्षरता दर 2001 में 59.63% एवं 2011 में 70.70% हो गयी। रूद्रप्रयाग जनपद में महिला साक्षरता दर 2001 में 50.87% थी जो कि जनगणना वर्ष 2011 में बढकर 61.97% हो गयी। तालिका 1 में रूद्रप्रयाग जनपद में 2001 एवं 2011 की जनगणना के अनुसार महिला साक्षरता एवं इन दो दशकों के मध्य महिला साक्षरता में अन्तर को 3विकासखण्डों एवं 27 न्यायपंचायतोंके माध्यम प्रदर्षित किया गया है।

तालिका:1

रूद्रप्रयाग जनपद के विकासखण्डों में न्याय–पंचायतों के अनुसार महिला साक्षरता दर प्रतिशत में (2001 एवं 2011)					
कम स0	**विकासखण्ड**	**न्यायपंचायत**	**महिला साक्षरता2001**	**महिला साक्षरता2011**	**2001 एवं 2011 के मध्य महिला साक्षरता मे वृद्धि**
1		उच्छाढुगी	50.42	62.58	12.16
2		भीरी	52.29	61.72	9.43
3		चन्द्रापुरी	52.50	63.58	11.08
4		अगस्त्यमुनि	57.60	68.66	11.06
5		चौपता	50.76	61.47	10.71
6		मयकोटी	57.71	65.03	7.32
7		सतेराखाल	60.35	63.90	3.55
8		सुमेरपुर	57.25	61.08	3.83
9		चौपडा	56.30	62.22	5.92
10	**अगस्त्यमुनि**	पीपली	45.90	53.74	7.84
11		पोडीखाल	55.07	62.81	7.74
12		सारी	58.92	64.92	06
13		मरोडा	57.35	66.51	9.16
14		**अगस्त्यमुनिकुल**	**54.39**	**63.30**	**8.91**
15		बजीरा	43.25	56.40	13.15
16		कोटबांगर	39.07	54.59	15.52
17		कण्डाली	47.89	57.28	9.39
18		डांगी भरदार	47.56	59.28	11.72
19		स्यूरबांगर	42.95	59.65	16.07
20	**जखोली**	जवाडी	44.80	56..99	12.19
21		पांजणा	39.05	53.11	14.06
22		सौराखाल	43.26	56.07	12.81
23		बष्टाबडमा	48.02	61.86	13.84
24		**जखोली कुल**	**44.13**	**57.23**	**13.01**

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

25		उखीमठ	52.95	65.83	12.88
26		मनसूना	49.02	60.53	11.51
27		ल्वारा	49.19	60.61	11.42
28	**उखीमठ**	फाटा	54.85	64.79	9.93
29		गुप्तकाशी	54.09	67.39	13.03
30		**उखीमठ कुल**	**52.39**	**64.49**	**12.01**
31	नगरीय क्षेत्र	नगरीय क्षेत्र	67.98	74.56	6.58
32	रूद्रप्रयाग कुल	रूद्रप्रयाग कुल	50.87	61.98	11.11

स्त्रोतः Census of India 2001 and 2011

तालिका के आधार पर सर्वप्रथम अगस्त्यमुनि विकासखण्ड की 13 न्यायपंचायतों का विवरण इस प्रकार है। इन 13 न्यायपंचायतों में महिला साक्षरता 2001 में 54.39% थी जो कि 2011 में 63.30% हो गयी है। अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में 2001 की जनगणना के अनुसार महिलाओं का सर्वाधिक साक्षरता प्रतिशत विकासखण्ड केसतेराखाल न्यापंचायत में है जो कि 60.35% है। 2011 में यह 3.55% बढकर 63.90% हो गयी है। एवं न्यूनतम साक्षरता दर पीपली न्यायपंचायत में है जो कि 45.90% है। अगस्त्यमुनि विकासखण्ड के अन्य न्यायपंचायतों में 2001 की जनगणना अनुसार महिला साक्षरता उच्छाढुगी में 50.42%, भीरी में 52.29%, चन्द्रापुरी में 52.50%, अगस्त्यमुनि में 57.60%, चोपता में 50.76%, मायकोटी में 57.71%, सुमेरपुर में 53.25%, चौपडा में 56.30%, पौडीखाल में 55.07%, सारी में 58.92%, मरोडा में 57.35% है। 2011 की जनगणना के अनुसार अगस्त्यमुनि विकासखण्ड में सर्वाधिक महिला साक्षरता दर अगस्त्यमुनि न्यायपंचायत में रही जो कि 68.66% है। एवं न्यूनतम साक्षरता दर पीपलीन्यायपंचायत में 53.74% रही है। इसके पश्चात् विकासखण्ड में 2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता दर उच्छाढुगी में 62.58%, भीरी में 61.72%, चन्द्रापुरी में 63.58%, चोपता में 61.47%, मायकोटी में 65.03%, सतेराखाल में 63.90%, सुमेरपुर में 61.08%, चोपडा में 62.22%, पीपली में 53.74%, पौडीखाल में 62.81%, सारी में 64.92%एवं मरोडा में 66.51% है।

जखोली विकासखण्ड में 9 न्यायंपचाते है। विकासखण्ड में 2001 की जनगणना के अनुसार महिला साक्षरता दर अति न्यून 44.13% रही है। जो कि 2011 में 13.01% की वृद्धि के साथ 57.23% हो गयी है। 2001 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक महिला साक्षरता दर विकासखण्ड के बष्टाबडमा न्यायपंचायत में रही जो कि 48.02% थी। एवं न्यूनतम साक्षरता दर कोटबांगर न्यायपंचायत में 39.07% रहीहै।विकासखण्ड के अन्य न्यायपंचायतों में 2001 की जनगणना के अनुसार महिला साक्षरता दर बजीरा न्यायपंचायत में 43.25%, कोटबांगर में 39.07%, कण्डाली में 47.89%, डांगी भरदार में 47.56%, स्यूरबांगर में 42.95%, जवाडी में 44.80%, पांजणा में 39.05%, एवं सौराखाल में 43.26% रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार जखोली विकासखण्ड में महिला साक्षरता दर 57.23% है। विकासखण्ड के न्यायपंचायतों में सर्वाधिक साक्षरता दर बष्टाबडमान्यायपंचायत में रही जो कि 61.86% है। एवं न्यूनतम साक्षरता दर पांजणा न्यायपंचात में 53.11%रही विकासखण्ड के अन्य न्यायपंचायतों में साक्षरता दर बजीरा में 56.40%, कोटबांगर में 54.59%, कण्डाली में 57.28%, डांगी भरदार में 59.28%, स्यूरबांगर में 59.65%, जवाडी में 56.99%,एवं सौराखाल में 56.07% है।

उखीमठ विकासखण्ड में पॉच न्यायपंचायतें है जिसमें 2001 की जनगणना के अनुसार महिला साक्षरता दर 52.39% थी जो कि 2011 की जनगणना में 12.01% की वृद्धि के साथ 64.49% हो गयी है। उखीमठ विकासखण्ड में जनगणना 2001 के अनुसार सर्वाधिक साक्षरता दर फाटा न्यायपंचात में रही जो कि 54.85% थी।एवं न्यूनतम साक्षरता दर मनसूना न्यायपंचायत में रही जोकि 49.02%थी। विकासखण्ड के अन्य न्यायपंचायतों में2001 के अनुसार महिला साक्षरता दर उखीमठ न्यायपंचायत में 52.95%, ल्वारा में 49.19%,एवं गुप्तकाशी में 54.09% रही। 2011 में उखीमठ विकासखण्ड में सर्वाधिक महिला साक्षरता गुप्तकाशी न्यायपंचायत में रही जो कि 67.39% है एवं न्यूनतम साक्षरता दर मनसूना न्यायपंचात में रही 60.53%। इसके पश्चात् विकासखण्ड में उखीमठ में 65.83%, ल्वारा में 60.61%, एवंफाटा में 64.79% है। उपरोक्त ऑकडों को तालिका 1 एवं चित्र 1 के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

चित्र:2

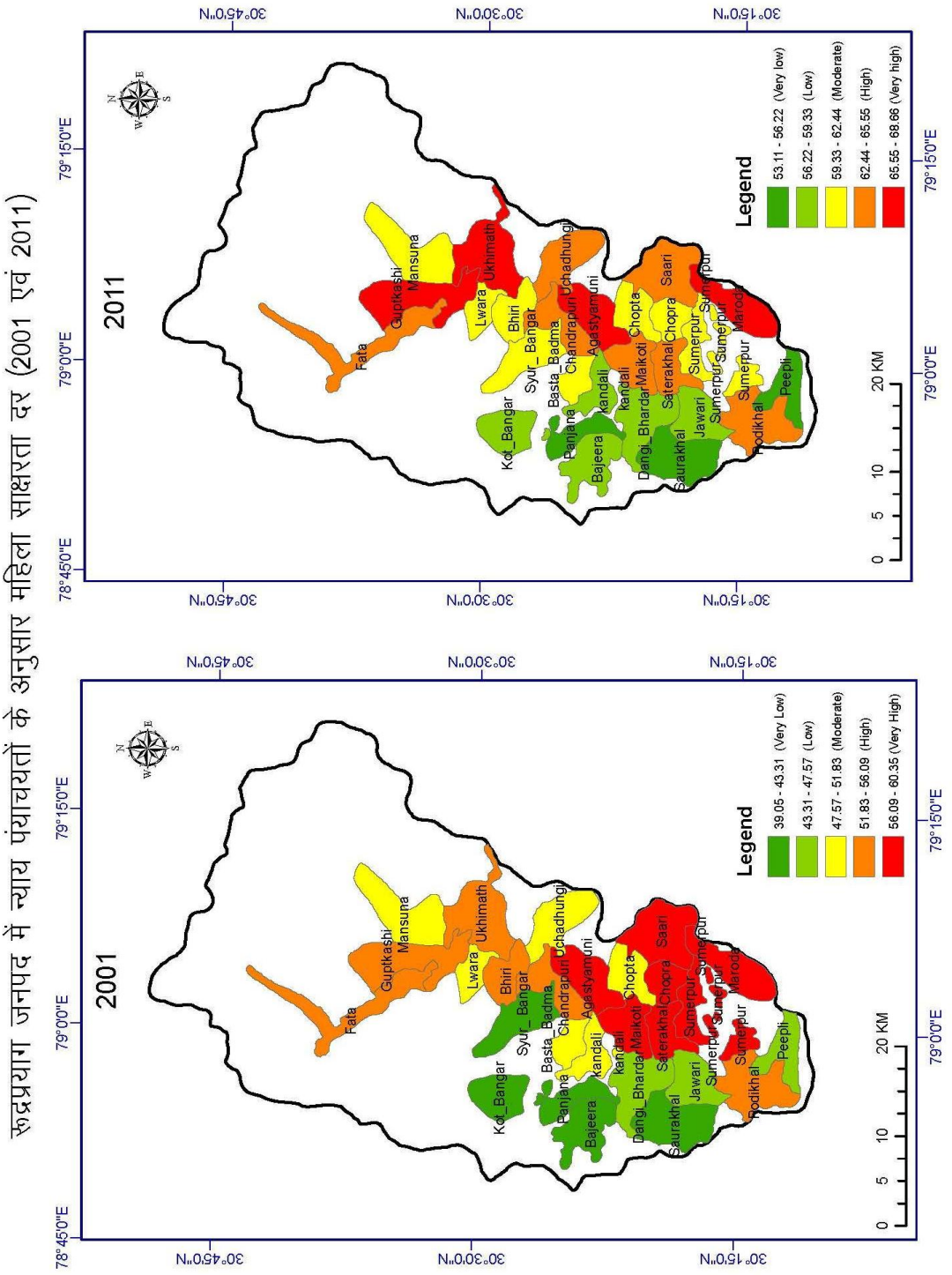

रूद्रप्रयाग जनपद में 2001 एवं 2011 के मध्य महिला साक्षरता दर का तुलनात्मक अध्ययन

तलिका:2

2001 एवं 2011 की जनगणना के अनुसार महिला सारक्षरता दर (प्रतिशत में)				
क्र0सं0	विकासखण्ड	2001	2011	दशकीय वृद्धि
1	अगस्त्यमुनि वि0ख0	54.39	63.30	8.91
2	जखोलीवि0ख0	44.13	57.23	13.01
3	उखीमठ वि0ख0	52.39	64.49	12.01
4	रूद्रप्रयाग जनपद	50.87	61.97	11.11
5	उत्तराखण्ड	59.63	70.70	11.07

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

6	भारत	53.67	65.46	11.79

स्त्रोतः Census of India 2001 and 2011

उपयुक्त तालिका के आधार पर2001 में भारत में महिला साक्षरता दर 53.67% थी एवं इसी दशक में राज्य की साक्षरता दर 59.63%थी जो कि भारत की कुल महिला साक्षरता दर से 5.96% अधिक रही जबकि रूद्रप्रयाग जनपद की साक्षरता दर50.87%थी जो कि भारत की साक्षरता दर से कम –2.8% रही। जनपद के तीनों विकासखण्डों में से अगस्त्यमुनि विकासखण्ड मेंमहिला साक्षरता दर देशकी साक्षरता दर से अधिक 54.39%थी जबकिजखोली व उखीमठ विकासखण्ड में यह प्रतिशत कम था जो कि क्रमशः जखोली में 44.13%एवं उखीमठ 52.39%है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश में महिला साक्षरता दर 65.46% रही है एवं उत्तराखण्ड राज्य की महिला साक्षरता दर 70.70% रही है जो कि राष्ट्रीय महिला साक्षरता दर से 05.24%अधिक रही। जबकि रूद्रप्रयाग जनपद की महिला साक्षरता दर 61.97% है जो कि राष्ट्रीय महिलासाक्षरता दर सें 3.49% कम है एवं राज्य की महिलासाक्षरता दर सें 8.73% कम रही है। और जनपद के तीनों विकासखण्डों की महिला साक्षरता दर (अगस्त्यमुनि 63.30%,जखोली 57.23%व उखीमठ 64.49%) राष्ट्रीय महिला साक्षरता दर 65.46% एवं राज्य की महिला साक्षरता दर 70.70% से कम रही है।

चित्र–3

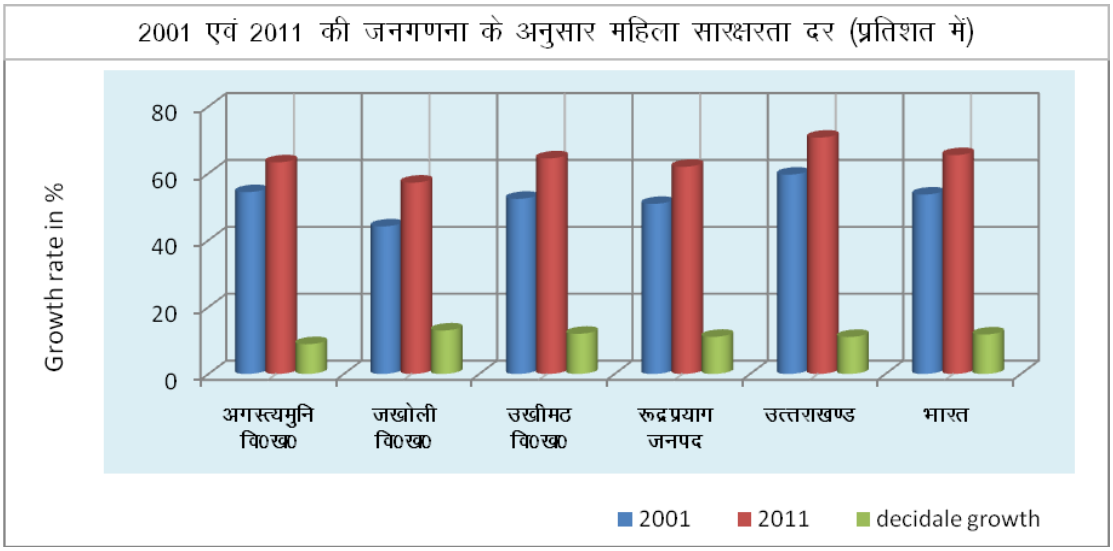

निष्कर्ष

वर्तमान समय में महिलाओं के सशक्तिकरण के अनेकों कारण है किन्तु उक्त सभी कारणों में से शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकिशिक्षा प्राप्ति के बाद ही महिलाए अपने कानूनी, सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक अधिकारों के प्रति जागरूक हो पाती है। उक्त शोध पत्र में रूद्रप्रयाग जनपद में महिला शिक्षा के सम्बन्ध में निम्न निष्कर्ष निकाले गये है।

1:–2001 में भारत में महिला साक्षरता दर 53.67% थी एवं इसी दशक में राज्य की साक्षरता दर 59.63%थी जो कि भारत की कुल महिला साक्षरता दर से 5.96% अधिक रही जबकि रूद्रप्रयाग जनपद की साक्षरता दर50.87%थी जो कि भारत की साक्षरता दर से कम –2.8% रही। जनपद के तीनों विकासखण्डों में से अगस्त्यमुनि विकासखण्ड मेंमहिला साक्षरता दर देशकी साक्षरता दर से अधिक 54.39%थी जबकिजखोली व उखीमठ विकासखण्ड में यह प्रतिशत कम था जो कि क्रमशः जखोली में 44.13%एवं उखीमठ 52.39%है।

2:– 2011 की जनगणना के अनुसार देशमें महिला साक्षरता दर 65.46% रही है एवं उत्तराखण्ड राज्य की साक्षरता दर 70.70% रही है जो कि राष्ट्रीय साक्षरता दर से 05. 24%अधिक रही। जबकि रूद्रप्रयाग जनपद की साक्षरता दर 61.97% है जो किराष्ट्रीय साक्षरता दर सें 3.49% कम है एवं राज्य की साक्षरता दर सें 8.73% कम रही है। और जनपद के तीनों विकासखण्डों की साक्षरता दर (अगस्त्यमुनि63. 30%,जखोली 57.23%व उखीमठ64.49%)राष्ट्रीय साक्षरता दर 65.46% एवं राज्य की साक्षरता दर 70.70% से कम रही है।

3:– जनगणना वर्ष 2001 से 2011 के मध्य यदि तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो भारत में महिला साक्षरता दर में वृद्धि

© RRIJM 2015, All Rights Reserved

हुयी है जैसे राष्ट्रीय स्तर पर 11.79%की,राज्यस्तर पर11. 07%की और जनपद स्तर पर 11.01%। और यदि जनपद मेंविकासखण्डों के मध्य भी देखा जाए तो यहॉ भीसाक्षरता दर में वृद्धि अंकित हुयी है जैसे अगस्त्यमुनि 8.91%,जखोली 13. 01%व उखीमठ 12.01%।

उपरोक्त ऑकडों से यह स्पष्ट होता है कि रूद्रप्रयाग जनपदकीमहिलासाक्षरता दरराष्ट्रीय एवं राज्य दोनों कीसाक्षरता दर से कम है एवं जनपदकी न्यायपंचायतों में भीमहिला साक्षरता दर में अधिक असमानता देखने को मिली है किन्तु यदि वृद्धि दर की बात की जाए तो जनगणना वर्ष 2001 एवं 2011 केऑकडोंके आधार पर जनपदकीमहिला साक्षरता दर मेंवृद्धि अंकित हुयी है। अतः स्पष्टतया कहा जा सकता है कि महिलाएँ पहले की अपेक्षा अधिक शिक्षित हुयी है जो कि इनके विकास एवं सशक्त होने के लिए एक अच्छा प्रयास है।

सन्दर्भ सूचीः–

1. Government of India, Census of India 2001 and 2011
2. Census handbook Ruderprayag 2011
3. State literacy of India 2011
4. Ruderprayag.nic.in
5. Ministery of woman and child developemnt uttarakhand
6. शर्मा एल0 जी0, (2015), ''सामाजिक मुद्दे'', रावत पब्लिकेशन, जवाहर नगर, जयपुर राजस्थान, 302004 पृ0 सं0 419।
7. डॉ0 धवन मधु (2012), ''नारी लेखन और समकालीन समाज '', क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी नयी दिल्ली 110015, पृ0सं0 17, 63।
8. Dr. Verma K.Krishna "Women Empowerment In India: A Study Of Uttarakhand"H.N.B.Garahwal Central UniversityMotherhood International Journal of Multidisciplinary Research & Development, A Peer Reviewed Refereed International Research Journal, Volume I, Issue II, November 2016, pp. 08
9. SinghKhushboo, "Importance of Education in Empowerment of Women in India"Motherhood International Journal of Multidisciplinary Research & Development, International Research E-Journal, Volume I, Issue I, August 2016, pp. 39
10. Dr. Sundaram M. Shunnugaand et. all "Women Empowerment: Role of Education" International Journal of Management and Social Science,, A Peer Reviewed Refereed Open Access International Research Journal, Volume 2, Issue 12, December 2014.
11. Dr.Deepak Kumar perdhan and dr laxmikanta dash, research paper, "Personal related barrier of tribal women dropouts from literacy programme: A critical analysis" Department of Education, Sukinda College, Jajpur, Odisha, published in International Journal of Advanced research and Development, Volume 2, Issue 2, March 2017, page no 94-100.

© RRIJM 2015, All Rights Reserved